संपादकीय

चिंतनीय वायरस

डकैती, अपहरण और फिरौती- हम (हमारी तरह के दूसरी, तीसरी दुनिया के ज्यादातर देश) अभी तक पुराने युग के अपराधों के संग ही जी रहे हैं। हमारी पुलिस और प्रशासन की व्यवस्थाएं भी ऐसी अपराधों से ही निपटने की क्षमता वाली हैं, जबकि दुनिया के अपराधी किस तरह हाईटेक हो रहे हैं, यह हमने शुक्रवार को देखा, जब एक रेनसमवेयर (कंप्यूटर को अपने कब्जे में लेकर फिरौती की मांग करने वाला वायरस) ने दुनिया के 70 हजार से ज्यादा कंप्यूटरों को अपनी गिरफ्त में ले लिया। इसकी गिरफ्त से निकलने की शर्त यह है कि आप उस कंप्यूटर के जरिये 300 डॉलर मूल्य यानी करीब 20 हजार रुपये के बिट क्वाइन जमा करवाएं, तो मुक्ति मिल सकती है। वह भी सिर्फ तीन दिनों के अंदर। देर की, तो इसके दोगुने बिट क्वाइन देने होंगे। यह मोहलत भी सिर्फ छह दिन की है, उसके बाद आपके कंप्यूटर का डाटा हमेशा के लिए गया आपके हाथ से। यह वायरस कंप्यूटर की सारी फाइलों को इस तरह से इनक्रिप्ट कर देता है या दूसरे शब्दों में उनका हुलिया इस तरह बिगाड़ देता है कि फिर वे फिरौती देने के बाद ही उपयोग लायक बन पाती हैं। किसी कुशल और शातिर अपराधी की तरह इस वायरस के बारे में किसी को कानोंकान खबर तक नहीं हुई और इसने एकाएक हजारों कंप्यूटरों को बेमतलब बना दिया। सबसे ज्यादा असर ब्रिटेन की राष्ट्रीय स्वास्थ्य व्यवस्था पर पड़ा, वहां इसकी वजह से रोगियों का इलाज तक करना मुश्किल हो गया। कंप्यूटर और आधुनिक साइबर तकनीक के बारे में कहा जाता है कि यह किसी भी कारोबार को काफी कुशल बना देती है। यह उसे किसी भूगोल तक सीमित रखने की बजाय उसकी पहुंच को विश्व-व्यापी बन देती है। इस रेनसमवेयर के पीछे लगे दिमाग ने यह अच्छी तरह दिखा दिया कि कंप्यूटर और साइबर तकनीक की मदद से किसी अपराध को भी बड़ी अच्छी तरह से और काफी बड़े पैमाने पर अंजाम दिया जा सकता है। इसका गणित बहुत सीधा सा है। अगर आधे शिकार भी फिरौती दे दें, तो उनके हाथ में बैठे-ठाले 70 हजार करोड़ की रकम पहुंच जाएगी। अभी तक जो ऐसे छिटपुट मामले हुए हैं, उनसे कहा जा सकता है कि हमें कभी पता नहीं चलेगा कि ये फिरौती वसूलने वाले कौन थे? उन्होंने इस रकम का क्या किया? और सबसे बड़ी बात है कि उनका अगला हमला कब होगा? कैसा होगा? सच यही है कि ज्यादातर हैकर कानून की पकड़ से बच निकलते हैं, कितने प्रतिशत पकड़े जाते हैं, इसके प्रामाणिक आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। यह हमला जितना साइबर अपराधियों के बारे में बताता है, उससे कहीं ज्यादा अपराध नियंत्रण करने वाली एजेंसियों के बारे में बताता है। नई तकनीक के इस्तेमाल में अपराध नियंत्रण करने वाली एजेंसियां अपराधियों से बहुत पीछे हैं। ये अपराधी कहीं भी बैठकर दुनिया के किसी भी देश में अपराध को अंजाम दे सकते हैं, जबकि ऐसी एजेंसी किसी दूसरे देश में बैठे अपराधी पर हाथ नहीं डाल सकती। इस मामले में न तो बहुत ज्यादा अंतरराष्ट्रीय सहमतियां हैं और न ही बहुत ज्यादा अंतरराष्ट्रीय कानून। एजेंसियों में आपसी तालमेल के जो चैनल मौजूद भी हैं, वे इतने सुस्त और धीमे हैं कि जब तक कोई बात शुरू हो, अपराधी अपने वारे-न्यारे करके गायब भी हो चुके होते हैं। सुरक्षा की जो बातें ऐसे मौकों पर अक्सर कही जाती हैं और अब भी कही जा रही हैं, वे भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। लोग आमतौर अपने ऑपरेटिंग सिस्टम और एंटी वायरस को अपडेट नहीं करते, इसलिए आसान शिकार बन जाते हैं। यह जरूरी है, लेकिन यह अपराधियों को जेल भेजने की व्यवस्थाएं मजबूत बनाने का विकल्प नहीं है।

उत्तरप्रदेश को 'उत्तमप्रदेश' बनाने के लिए सीएम योगी के सामने हैं ये चुनौतियां...!

लखनऊ

योगी आदित्यनाथ को मुख्यमंत्री की कुर्सी संभाले अभी ज्यादा वक्त नहीं हुआ है, लेकिन ऐसा कहा जा रहा है कि जिस रफ्तार से वह काम कर रहे हैं, उससे उत्तर प्रदेश जल्द ही उत्तमप्रदेश में तब्दील हो जाएगा। इसमें दो राय नहीं कि योगी आदित्यनाथ की रफ्तार यूपी के पिछले मुख्यमंत्रियों से तेज है, लेकिन उनकी राह में कई रोड़े हैं जिनसे पार पाना बेहद मुश्किल काम है। लचर कानून और व्यवस्था से निपटने के अलावा उत्तर प्रदेश की योगी सरकार सामाजिक और आर्थिक मानकों को भी बेहतर करना होगा।

देश की सबसे अधिक आबादी वाला राज्य उत्तरप्रदेश दशकों से अस्थिर और क्षेत्रीय पार्टियों की सरकार रहने की वजह से अधिकांश सामाजिक और आर्थिक मानकों पर फिसल गया है। इस सच को झुठलाया नहीं जा सकता कि भारत की प्रगति का रास्ता उत्तरप्रदेश के विकास से होकर ही गुजरेगा। यही वजह हे कि मोदी सरकार ने नीति आयोग को विकास का रोडमैप तैयार करने में उत्तरप्रदेश की मदद के लिए कहा है।

जब गरीबों की संख्या, लोगों के स्वास्थ्य से जुड़े आंकड़े, विद्यायल छोड़ने वाले बच्चों की ज्यादा संख्या और बिना बिजली वाले घर के मामले में यूपी की तुलना अन्य राज्यों से की जाती है, तो पूरी तस्वीर साफ हो जाती है। उत्तरप्रदेश में लोगों सामाजिक और आर्थिक स्तर काफी नीचे हैं, जिसे ऊपर लाने में काफी मेहनत करने की आवश्यकता है।

नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत ने योगी आदित्यनाथ के सामने जो प्रेजेंटेशन दी, उसमें आंकड़े चिंतनीय हैं। देशभर के 100 जिलों में से, ऐसे 22 जिले उत्तर प्रदेश में हैं, जहां गरीबी रेखा के नीचे व्यक्तियों की कुल जनसंख्या में अनुपात उच्च है।

उत्तर प्रदेश में शिक्षा की स्थिति समान रूप से गंभीर है। देश के 100 जिले जिनमें सबसे ज्यादा बच्चे स्कूल बीच में ही छोड़ देते हैं, उनसे 22 जिले उत्तरप्रदेश में हैं।

सीखने के परिणामों के संदर्भ में यूपी काफी पीछे नजर आता है। राज्य के सिर्फ 46.7% पांचवीं कक्षा के छात्र जमा-घटा कर सकते हैं। स्वास्थ्य से जुड़े आंकड़े भी निराशाजनक हैं। पांच साल से कम उम्र के कुपोषित बच्चों की संख्या भी प्रदेश में काफी अधिक है। 100 सबसे खराब प्रदर्शन वाले जिलों में से 29 यूपी में हैं।

नीति आयोग और राज्य सरकार मिलकर राज्यों के विकास का रोडमैप तैयार करेंगे। इसके लिए एक समिति बनाई गई है, जिसमें नीति आयोग और राज्य सरकार के तीन-तीन सदस्य शामिल हैं। जल्द ही यह समिति एक रोडमैप तैयार कर सामने रखेगी।

सूत्रों का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित भाजपा का शीर्ष नेतृत्व उत्तरप्रदेश में 201 9 के लोकसभा चुनावों से पहले इंफ्रास्ट्रक्चर फ्रंट और सामाजिक स्तर पर उल्लेखनीय सुधार करना चाहता है।

दैनिक पंचांग

16 मई 2017 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	वृष	05.14 बजे से
चंद्र	धनु में	मिथुन	07.16 बजे से
मंगल	वृष में	कर्क	09.29 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	11.45 बजे से
गुरु	कन्या में	कन्या	13.57 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	16.08 बजे से
शनि	धनु में	वृश्चिक	18.23 बजे से
राहु	सिंह में	धनु	20.39 बजे से
केतु	कुंभ में	मकर	22.44 बजे से
राहुकाल	3.00 से 4.30 बजे तक	कुंभ	00.30 बजे से
		मीन	02.03 बजे से
		मेष	03.34 बजे से

मंगलवार 2017 वर्ष का 143 वां दिन
दिशाशूल उत्तर ऋतु ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2074 शक संवत् 1939
मास ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख)
पक्ष कृष्ण
तिथि पंचमी 14.47 बजे को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराषाढ़ा अहोरात्र।
योग शुभ 21.10 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 14.47 बजे तदनन्तर गर 03.43 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 19.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 19° 05'
सूर्य उत्तरायण
कलि अहर्गण 1869424
जूलियन दिन 2457889.5
कलियुग संवत् 5119
कल्पारंभ संवत् 1972949117
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885117
वीरनिर्वाण संवत् 2543
हिजरी सन् 1438
महीना साबान
तारीख 19

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
रोग	06.01 से 07.30 बजे तक	काल	06.01 से 07.30 बजे तक
उद्वेग	07.31 से 09.00 बजे तक	लाभ	07.31 से 09.00 बजे तक
चर	09.01 से 10.30 बजे तक	उद्वेग	09.01 से 10.30 बजे तक
लाभ	10.31 से 12.00 बजे तक	शुभ	10.31 से 12.00 बजे तक
अमृत	12.01 से 01.30 बजे तक	अमृत	12.01 से 01.30 बजे तक
काल	01.31 से 03.00 बजे तक	चर	01.31 से 03.00 बजे तक
शुभ	03.01 से 04.30 बजे तक	रोग	03.01 से 04.30 बजे तक
रोग	04.31 से 06.00 बजे तक	काल	04.31 से 06.00 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ मंगल सैणचा, बेंगलोर

जीएम सरसों की अनापत्ति पर विचार करेगी संसदीय समिति

नई दिल्ली

कांग्रेस नेता रेणुका चौधरी की अध्यक्षता वाली संसदीय समिति जनेटिकली मॉडिफाइड (जीएम) सरसों की व्यावसायिक खेती को दी गई अनापत्ति पर विचार कर सकती है। पर्यावरण मंत्रालय के अधीनस्थ जेनेटिक इंजीनियरिंग अप्रैजल कमेटी (जीईएसी) ने पिछले सप्ताह यह मंजूरी दी। जीईएसी केंद्रीय बायोटेक नियामक है। जीईएसी की अनापत्ति मिलने के बाद अब जीएम सरसों को केंद्रीय पर्यावरण मंत्री अनिल माधव दवे अंतिम मंजूरी देंगे। विज्ञान एवं तकनीक और वन एवं पर्यावरण पर संसद की स्थायी समिति जीएम फसलों के पर्यावरणीय प्रभावों की समीक्षा कर सकती है।

मप्र: डिंडौरी में बस पलटने से तीन की मौत, 42 घायल

डिंडौरी

मध्यप्रदेश के डिंडौरी जिले के कैरंजिया थाना क्षेत्र में एक बस के अनियंत्रित होकर पलट जाने से तीन लोगों की मौत हो गई और 42 अन्य घायल हो गए। बस में सवार लोग मंडला से नर्मदा यात्रा के समापन में शामिल होने के लिए अमरकंटक जा रहे थे। बताया जा रहा है कि मंडला से अमरकंटक आ रही बस सुबह कैरंजिया के जंगल में सडक किनारे बस में इंतजार में खडे कटनी के दो लोगों के ऊपर अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में बस सवार एक यात्री और बस के इंतजार में खड़े दो लोगों की मौत हो गई और 42 अन्य लोग घायल हो गए, जिन्हें कैरंजिया के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया गया है कि बस सवार सभी यात्री नर्मदा सेवा यात्रा के समापन के मौके पर वहां आयोजित सभा में शामिल होने के लिए अमरकंटक जा रहे थे। यहां पर पीएम मोदी का कार्यक्रम भी है। फिलहाल मृतकों की शिनाख्त नहीं हो सकी है।

आपका राशिफल 16 मई

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। घर में शुभ समाचारों का संचार होगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-9

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेंगी। शुभांक-2-7-9

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-3-7-8

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

राजकीय कार्यों से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-4-8-9

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-9

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-5-9

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार है। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-7-9

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो या यी यू

मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-7-8

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

आय के योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-3-6-9

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। नये व्यावसायिक अनुबन्ध होंगे। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ गू गे गो गा शी शू से सो दा

जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-1-3-7

मीन दी दू थ झ ञ दे धे धा ची

लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मुलाकात होगी। शुभांक-1-5-9

पृष्ठ 1 का शेष

जाधव मामले में पाकिस्तान को झटका...

वर्ष 2000 में खारिज हो गया था पाक का दावा

इससे पहले पाकिस्तानी नौसैनिक विमान को मार गिराने के मामले में दोनों देश अंतराष्ट्रीय न्यायालय में आए थे। भारतीय वायु सेना ने 10 अगस्त, 1999 को कच्छ क्षेत्र में पाकिस्तानी नौसेना के विमान अटलांटिक को मार गिराया था।

विमान में सवार सभी 16 नौसैनिक कर्मी मारे गए थे। पाकिस्तान का दावा था कि विमान को उसकी ही वायुसीमा में मार गिराया गया, लिहाजा उसने भारत से छह करोड़ अमेरिकी डॉलर के हर्जाने की मांग की थी। 21 जून, 2000 को अदालत की 16 सदस्यीय पीठ ने पाकिस्तान के दावे को 14-2 के बहुमत से खारिज कर दिया था। यह फैसला अंतिम था और इसके खिलाफ कोई अपील संभव नहीं थी।

अदालत में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व तत्कालीन अटॉर्नी जनरल सोली सोराबजी ने किया था। सुनवाई के दौरान आइसीजे ने भारतीय दलीलों से सहमत हुए पाया कि उसे पाकिस्तान के 21 सितंबर 1999 को दायर आवेदन पर विचार करने का अधिकार ही नहीं है। दरअसल, सुनवाई के प्रारंभ में ही दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हो गए थे कि पहले न्यायाधिकार के सवाल पर फैसला हो, उसके बाद ही मामले के गुण-दोषों पर सुनवाई की जाए।

नरेंद्र मोदी में क्षमता थी इसलिए...

जबकि भाजपा नीत राजग देश के इस शीर्ष पद पर अपनी पसंद के उम्मीदवार के आसीन होने को आश्वस्त प्रतीत होता है।

वर्तमान राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी को लेकर सर्वानुमति बनने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर नीतीश ने कहा कि इससे अच्छी बात क्या होगी, लेकिन इस बारे में केंद्र को निर्णय लेना होगा और पहल करनी होगी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2012 के राष्ट्रपति चुनाव में भाजपा नीत राजग का हिस्सा रही जदयू ने संप्रग उम्मीदवार मुखर्जी के पक्ष में मतदान किया था।

अगर तीन तलाक अमान्य हुआ तो...

तीन तलाक की प्रथा का विरोध करती है केंद्र सरकार

इससे पहले 11 मई को केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा था कि वह तीन तलाक की प्रथा का विरोध करती है और महिला समानता व लैंगिग न्याय के लिए लड़ना चाहती है।

हालांकि ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि तीन तलाक का मामला मुस्लिम बोर्ड के अंतर्गत आता है और इसलिए उनकी राय में सुप्रीम कोर्ट को इस मामले में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

पिछली सुनवाई में कोर्ट ने उठाए थे ये सवाल

वहीं पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने कई बड़े सवाल उठाए थे। कोर्ट ने कहा था कि तीन तलाक इस्लाम में शादी खत्म करने का सबसे बुरा और अवांछनीय तरीका है, लेकिन कुछ विचारधाराएं उसे सही मानती हैं। वहीं तीन तलाक को पाप के सामान बताए जाने पर कोर्ट ने सहज सवाल किया कि जो चीज ईश्वर की निगाह में पाप है, उसे इंसान द्वारा बनाए गए कानून में सही कैसे कहा जा सकता है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व कानून मंत्री सलमान खुर्शीद ने तीन तलाक का विरोध करते हुए कहा था कि उनकी निजी राय में यह पाप है लेकिन आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड इसे वैध मानता है। पीठ ने कहा कि कुछ लोग मौत की सजा को भी पाप मानते हैं। तभी जस्टिस कुरियन जोसेफ ने सवाल किया कि जो चीज ईश्वर की निगाह में पाप है वो क्या इंसान के बनाए कानून में सही हो सकती है। इस पर खुर्शीद ने कहा कि वह भी यही कह रहे हैं कि ये सही नहीं है।

'वादी की सैर' से कश्मीर के बच्चे समझेंगे घाटी की खूबसूरती

श्रीनगर

जम्मू कश्मीर सरकार ने सोमवार को घाटी में बच्चों के लिए वादी की सैर नाम से एक स्पेशल ट्रेन की दोबारा शुरुआत की। मालूम हो कि, ये रेल सेवा पिछले साल 12 दिसंबर को शुरू की गई थी जब मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने अलग-अलग स्कूलों के बच्चों के साथ बनिहाल से रेल यात्रा की थी। हालांकि यह सेवा घाटी में ठंड बढ़ जाने के कारण बंद कर दी गई थी क्योंकि इस मौसम में कई शैक्षणिक संस्थान भी बंद हो चुके थे। अब जब स्कूल दोबारा खुल चुके हैं तो अधिकारियों ने बच्चों के लिए दोबारा शुरू करने का एलान किया।

घाटी के बच्चे इस घोषणा के बाद काफी उत्साहित हैं। बोर्ड के विद्यार्थी इकरा इशाद ने बताया हालांकि ये मेरी पहली रेल यात्रा नहीं होगी लेकिन इसमें अपने दोस्तों के साथ घाटी की सैर करने का अपना एक अलग ही अनुभव होगा। इनके अलावा कई ऐसे भी बच्चे हैं जिन्होंने अभी तक ट्रेन भी नहीं देखी है। अन्य विद्यार्थी मेहक इशताक उत्साहित होते हुए बताते हैं, मैंने और मेरे कई दोस्तों ने अपनी लाइफ में अब तक ट्रेन नहीं देखी है। वादी की सैर रेल सेवा की दोबारा शुरुआत करने के पीछे का मकसद बच्चों को प्रकृति से परिचित कराना है। जम्मू कश्मीर के शिक्षा मंत्री अल्ताफ बुखारी ने कहा, हम घाटी के बच्चों को हर तरह से शिक्षित करने की दिशा में प्रयास कर रहे हैं। बच्चों को अपने पर्यावरण और अपने चारों तरफ के बारे में जागरुक होना चाहिए। हम इस बात से खुश हैं कि बच्चे इस योजना की दोबारा शुरुआत को लेकर काफी उत्साहित हैं। इसके बाद हम जल्द ही एक अलग-अलग घटनाओं पर आधारित डिबेट कॉंटेस्ट शुरु करेंगे जिससे उनके सर्वांगीण विकास में मदद मिलेगी।

डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर एजाज अहमद ने कहा, इस रेल यात्रा का आज बच्चों का पहला दिन है जब वे कश्मीर के अलग अलग जगहों जैसे सोपोर, बारामूला जैसे जगहों को देख पायेंगे। इनमें से कईयों ने अब तक रेल भी नहीं देखा है। इस रेल सेवा से वे काफी कुछ सीखेंगे और हमें इस बात की उम्मीद है कि वे इससे भारतीय सभ्यता के प्रति काफी जागरुक होगें। वादी की सैर नाम की ये रेल पाक्षिक होगी जो महीने के हर दूसरे और चौथे शनिवार को जम्मू के बनिहाल से शुरु होकर काजीगुंड, अनंतनाग, श्रीनगर, बदगाम होते हुए उत्तरी कश्मीर के बारामूला तक जाएगी।

सुकमा हमले के बाद सीआरपीएफ ने बदली रणनीति, चलाए 200 अभियान

नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ के सुकमा में 24 अप्रैल को हुए नक्सली हमले के बाद से सीआरपीएफ ने नई रणनीति के साथ करीब 200 विशेष अभियानों को अंजाम दिया है। इस दौरान 26 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया जिनमें से 15 सुकमा हमले में शामिल थे। इसके अलावा बड़ी मात्रा में हथियार भी बरामद किए गए हैं। एक ऑपरेशन डोजियर में यह जानकारी दी गई है। सुकमा हमले के दो दिन बाद सीआरपीएफ महानिदेशक नियुक्त हुए आरआर भटनागर ने सोमवार को बताया कि छत्तीसगढ़ के दक्षिण बस्तर क्षेत्र में ऐसे अभियानों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा जिनसे अपेक्षित परिणाम हासिल हों ताकि नक्सलियों के संसाधनों और उनकी ताकत में कमी लाई जा सके। इसके लिए सारा ध्यान अब खुफिया आधारित संयुक्त अभियानों पर है। भीषण गरमी के बावजूद उन इलाकों में अभियानों की संख्या बढ़ा दी गई है जहां सुरक्षा कम है।

कपिल मिश्रा ने खत्म किया अनशन,बोले -

अरविंद केजरीवाल जेल जाने से नहीं बच सकते

नई दिल्ली

दिल्ली के पूर्व जल संसाधन मंत्री कपिल मिश्रा ने छठे दिन अपना अनशन खत्म कर दिया है। कपिल अब मंगलवार को सीएम अरविंद केजरीवाल के खिलाफ सबूत सौंपने सीबीआई के पास जाएंगे। उन्होंने कहा है कि केजरीवाल सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार को उजागर करने के लिए अनशन जरूरी था।

पिछले 10 मई से अनशन पर थे

आम आदमी पार्टी सरकार के खिलाफ दस मई से अनशन कर रहे दिल्ली के पूर्व मंत्री कपिल मिश्रा ने सोमवार को अनशन खत्म कर दिया है। उन्होंने अस्पताल में डॉक्टरों के सामने अनशन खत्म किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जेल जाने से नहीं बच सकते। एक बार फिर उन्होंने कुछ सबूतों के साथ बुधवार को सीबीआई ऑफिस जाने और दिल्ली सरकार की एक-एक पोल खोलने की बात कही है। वह आम आदमी पार्टी को मिले चंदे में अनियमितताओं का ब्योरा देते वक्त संवाददाता सम्मेलन में बेहोश हो गए थे जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

कपिल मिश्रा ने खत्म किया अनशन

कपिल मिश्रा ने अस्पताल में डॉक्टरों के सामने अनशन को खत्म करने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि वे अब अरविंद केजरीवाल सरकार की एक-एक पोल खोलेंगे।

उन्होंने कहा कि मैं आज 11 बजे सीबीआई दफ्तर जाऊंगा। वहां पर एफआईआर दर्ज कराऊंगा। इसके बाद फिर सीबीडीटी जाऊंगा। यहां पर मोहल्ला क्लिनिक की पोल खोलूंगा। रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कपिल मिश्रा ने केजरीवाल पर चंदे की गलत जानकारी देने का आरोप लगाते हुए उनसे इस्तीफा मांगा था, इसके बाद वह बेहोश हो गए और उन्हें इलाज के लिए राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले जाया गया था। दिल्ली की आप सरकार से निकाले गये पूर्व मंत्री कपिल मिश्रा एक संवाददाता सम्मेलन में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी पर वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाने के बाद बेहोश हो गये थे।

प्रसंगत: वेदांत का मर्म

उन दिनों स्वामी विवेकानंद पैरिस में थे। वहां इटालियन डचेस (राजकुमारी) ने उनसे अनुरोध किया कि वह उन्हें आसपास के इलाके में घुमाना चाहती हैं। दोनों घोड़ागाड़ी से घूमने निकले। चलते हुए वे शहर से बाहर आ गए। कोचवान ने एक जगह गाड़ी रोकी और सड़क किनारे के एक पार्क में चला गया। वहां एक बूढ़ी नौकरानी एक लड़का-लड़की का हाथ पकड़ कर बैठी थी। कोचवान ने उन बच्चों को प्यार किया। बच्चों से कुछ देर बात करने के बाद वह फिर से घोड़ागाड़ी चलाने लगा। डचेस को यह सब थोड़ा अजीब लगा। उन दिनों वहां अमीर-गरीब के बीच बड़ा कठोर विभाजन था। वे बच्चे अभिजात लग रहे थे और कोचवान का इस तरह उन्हें प्यार करना डचेस को खटका। डचेस ने उससे पूछा कि उसने ऐसा क्यों किया। कोचवान ने डचेस से कहा, 'वे मेरे बच्चे हैं। मैं पैरिस के सबसे बड़े बैंक का मैनेजर था। मैंने इतना घाटा उठाया कि उसे चुकाने में कई साल लग जाएंगे। अपनी पत्नी और बच्चों को मैंने इस जगह पर एक किराए के मकान में रखा है। एक बूढ़ी औरत उनकी देखभाल करती है। कुछ रकम जुटाकर मैंने यह घोड़ागाड़ी ले ली और अब इसे चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करता हूं। कर्ज चुका देने के बाद मैं फिर से एक बैंक खोलूंगा और उसे विकसित करूंगा।' उसका आत्मविश्वास देखकर विवेकानंद बहुत प्रभावित हुए। उन्होंने डचेस से कहा, 'इसे वेदांत का मर्म मालूम है। अपनी हैसियत से गिरने के बाद भी अपने व्यक्तित्व और कर्म पर उसकी आस्था डिगी नहीं है। यह अपने मकसद में अवश्य सफल होगा।'

यह दैनिक प्रकाशक, मुद्रक एवं मालिक एड. अरुण कोटेचा द्वारा देश प्रेस, 85, हनुमाननगर, नागपुर यहां छपवाकर 1, पंचशील सिनेमा बिल्डिंग, वर्धा रोड, नागपुर - 440012 यहां से प्रकाशित किया।
संपादक - एड. अरुण कोटेचा, फोन नं. 2541300/2562837 फॅक्स : (0712) 2541300 email : vikibaat@gmail.com/vikibaat@rediffmail.com R.N.I.No.MAH HIN/2000/6262

सूचना - 'विदर्भ की बात' में प्रकाशित सभी लेखों पर संपादक की अनुमति हो यह अनिवार्य नहीं है। 'विदर्भ की बात' में प्रकाशित किसी भी लेख पर यदि आपत्ति हो तो उसके विरुध्द केवल नागपुर न्यायालय में ही कार्रवाई होगी।